# मैट्रो प्लस

निष्पक्ष एवं निर्भीक खबरों का प्रतीक

RNI No.71419/99 + 91- 98111-65707 metroplus707@gmail.com, www.metroplus.org.in Postal Regn.No.-Faridabad/259/14-16

वर्ष-16 अंक-15-16 01-15 मार्च, 2015 पृष्ठ-8 मूल्य-2 रुपए


# भ्रष्टाचार का बवंडर, एसडीएम आफिस के अंदर

**- एसडीएम कार्यालय में दलालों का बोल-बाला**
**-फीस क्लर्क से होती है भ्रष्टाचार की शुरूआत**
**-रसीद काटने वाले बाबू से लेकर उप-अधीक्षक तक सब कुछ है सैट**

महेश गुप्ता

फरीदाबाद: जिले भर में फरीदाबाद एसडीएम का कार्यालय वाहन रजिस्ट्रेशन व ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का सबसे बड़ा कार्यालय है। इस कार्यालय में यदि हर रोज 200 नए ड्राइविंग लाइसेंस भी बनते हैं तो करीब 100 पुराने लाइसेंस रिन्यू होते हैं। इसके अलावा हर रोज गुम हुए या चोरी हुए करीब 50 डुप्लीकेट लाइसेंस व आरसी भी निकलती हैं। यही नहीं, नए वाहनों के रजिस्ट्रेशन के अलावा करीब 200 वाहनों के दूसरे काम भी निपटाए जाते हैं। इसमें वाहनों का मालिकाना हक हस्तांतरण, डुप्लीकेट आरसी, एनओसी चढ़वाना, लोन कैंसिल करवाना, सीएनजी किट चढ़वाना सरीखे काम भी होते हैं। इसके अलावा हर रोज करीब 150 नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन भी इसी कार्यालय में होता है। इन सभी कार्यों के लिए यहां सिर्फ दो ही सरकारी कर्मचारी तैनात है, जो इन सभी कामों की फीस काटते हैं। इस कार्यालय में मुख्य अधिकारी के तौर पर एसडीएम की तैनाती सरकार की ओर से की गई है, जो सभी नए कार्यों पर अपने हस्ताक्षर करता है। यह बात अलग है कि उक्त अधिकारी ने ज्यादा काम के लोड के कारण अधिकतर कार्यों के लिए अपने अधीनस्थ उप-अधीक्षक को पॉवर दी हुई हैं।

इस दफ्तर में पब्लिक डीलिंग के नाम पर सोमवार से शुक्रवार के कार्य दिवस फिक्स हैं। इन दिनों सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक का समय आम लोगों के लिए निश्चित किया हुआ है। लेकिन दलालों का बोल-बाला इतना है कि पब्लिक डीलिंग के समय के साथ-साथ दोपहर एक बजे के बाद तो उनका ही साम्राज्य स्थापित हो जाता है व यह कार्य लगभग 5 बजे तक बदस्तूर जारी रहता है या यह कहिए कि दलालों के आने तक चालू रहता है। यह सब भ्रष्टाचार के लिए ही किया जाता है, यानी मोटे तौर पर सीटों के हिसाब से साइन का रेट फिक्स है।

एसडीएम कार्यालय में भ्रष्टाचार की शुरूआत फीस क्लर्क से होती है। यहां पर दलाल की सबसे पहले दस्तक होती है। इसके बाद शुरू होता है चढ़ावा चढ़ाने का खेल। चढ़ावे का माल क्लर्कों को तो ऐसा लगता है कि वे दलाल को भगवान गणेश की संज्ञा देने लगते हैं। वहीं, पब्लिक की जमा हो चुकी उन फाइलों में कमी निकालने का दौर भी शुरू हो जाता है, जिन्हें किसी भी दलाल के मार्फत यहां पर नहीं लाया गया है। राइटिंग पैड पर बाकायदा ऐसे लोगों की पेंसिल की सहायता से कच्ची लिस्ट तैयार की जाती है। जिसके बाद उन्हें फाइलों में कमी बताकर दफ्तर से भगा दिया जाता है तथा इनकी फीस वे नहीं काटते। इसके बाद इन लोगों को मजबूरी में दलालों की शरण में ही पहुंचना पड़ता है। इस टोकन टैक्स क्लर्क ने कुछ मोटे दलालों को उधार की सुविधा भी दी हुई है जिसका भुगतान ये दलाल लगभग दोपहर दो बजे करते है जिसका लेखा-जोखा इस बाबू कि मेज पर रखे नोट पैड पर होता है। अगर दो बजे से पहले इस बाबु का कैश चैक किया जाए तो लाखों रूपयों का सरकारी कैश कम मिलेगा अगर इसी बीच किसी दलाल के साथ कोई हादसा हो जाए तो इस कमी का भुगतान कौन करेगा? दलालों को दी गई इस सुविधा के बदले यह बाबु उनसे कुछ ज्यादा सुविधा शुल्क वसुलता है। यहां पर तैनात फीस क्लर्क पूरे दिन में करीब 600 रसीद काट चुका होता है। जिसमें से करीब 400 पर्चियां दलालों की होती हैं।

इस कार्यालय में दलाली के रेट, जो फीस क्लर्क द्वारा तय किए गए हैं, उन्हें देखा जाए तो हर किसी की आंखें खुली की खुली रह जाती हैं। न्यू पंजीकरण के लिए दलालों से प्रति पर्ची 100 रुपये लिए जाते हैं तो पुराने वाहनों से संबंधित पर्ची पर दलालों से 50 रुपये लिए जाते हैं।

इस सबसे अंदाजा लगाया जा सकता है कि साधारण तौर से सरकारी रसीद काटने वाला बाबू हर रोज कितनी ऊपरी कमाई यहां पर कर लेता है। यही सब इस बात का सबूत हैं कि यहां रसीद काटने वाले बाबू से लेकर उप-अधीक्षक तक सब कुछ सैट है, यानी सभी के रेट तय हैं। अगर आपको यकीन नहीं होता तो पहुंच जाएं, सेक्टर 12 के एसडीएम कार्यालय और शुरू करवा दें अपनी ड्राइविंग लाइसैंस या फिर आरसी की कोई भी फाइल। जब आप चार दिन चक्कर काट कर थक जाएंगे तो खुद ही दलाल को ढूंढने लगेंगे और यही सब करना आपकी मजबूरी भी होगा।

इस बारे में एसडीएम पूरी तरह से अनभिज्ञ हैं या उनकी जानकारी से हो रहा है। लेकिन, उनके नाम पर जो खेल चल रहा है, वह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है। यानि, निचले स्तर पर सब कुछ मिलीभगत से हो रहा है और यह सब काम कार्यालय के मुखिया एसडीएम को अंधेरे में रख कर या उनकी शह से इन भ्रष्ट कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। इसका खुलासा जल्द ही किया जाएगा।

# सम्पादकीय

## होली: रंगों भरा त्यौहार

होली वसंत ऋतु में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण भारतीय त्योहार है। यह पर्व हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। रंगों का त्योहार कहा जाने वाला यह पर्व पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। यह प्रमुखता से भारत तथा नेपाल में मनाया जाता हैं। यह त्यौहार कई अन्य देशों जिनमें अल्पसंख्यक हिन्दू लोग रहते हैं वहां भी धूम धाम के साथ मनाया जाता हैं। पहले दिन को होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते है। दूसरे दिन, जिसे धुरड्डी, धुलेंडी, धुरखेल या धूलिवंदन कहा जाता है, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं, ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं और घर-घर जा कर लोगों को रंग लगाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि होली के दिन लोग पुरानी कटुता को भूल कर गले मिलते हैं और फिर से दोस्त बन जाते हैं। एक दूसरे को रंगने और गाने-बजाने का दौर दोपहर तक चलता है। इसके बाद स्नान कर के विश्राम करने के बाद नए कपड़े पहन कर शाम को लोग एक दूसरे के घर मिलने जाते हैं, गले मिलते हैं और मिठाइयाँ खिलाते हैं। राग-रंग का यह लोकप्रिय पर्व वसंत का संदेशवाहक भी है। राग अर्थात संगीत और रंग तो इसके प्रमुख अंग हैं ही, पर इनको उत्कर्ष तक पहुंचाने वाली प्रकृति भी इस समय रंग-बिरंगे यौवन के साथ अपनी चरम अवस्था पर होती है। फाल्गुन माह में मनाए जाने के कारण इसे फाल्गुनी भी कहते हैं। होली का त्योहार वसंत पंचमी से ही आरंभ हो जाता है। उसी दिन पहली बार गुलाल उड़ाया जाता है। इस दिन से फाग और धमार का गाना प्रारंभ हो जाता है। खेतों में सरसों खिल उठती है। बाग-बगीचों में फूलों की आकर्षक छटा छा जाती है। पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और मनुष्य सब उल्लास से परिपूर्ण हो जाते हैं। खेतों में गेहूँ की बालियाँ इठलाने लगती हैं। किसानों का हृदय खुशी से नाच उठता है। बच्चे-बूढ़े सभी व्यक्ति सब कुछ संकोच और रूढ़ियाँ भूलकर ढोलक-झाँझ-मंजीरों की धुन के साथ नृत्य-संगीत व रंगों में डूब जाते हैं। चारों तरफ़ रंगों की फुहार फूट पड़ती है। होली के दिन आम्र मंजरी तथा चंदन को मिलाकर खाने का बड़ा माहात्म्य है।

*-महेश गुप्ता*

# एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं अभियान में की भागीदारी

## डॉ० अनिल जिंदल ने बालिका शिक्षा के लिए विशेष कदम उठाने की घोषणा की

नवीन गुप्ता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं'* अभियान को लांच करने के बाद एसआरएस ग्रुप ने इस जटिल सामाजिक प्रयास को श्रंखलाबद्ध तरीके से चलाने का निश्चय किया है ताकि इस समूह के विभिन्न ब्रांड्स के माध्यम से बालिकाएं लाभान्वित हो सकें। इसके परिणामस्वरूप एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल ने इस पुनीत कार्य का ज़िम्मा पूरी क्षमता और भावना के साथ उठाया। स्कूल ने बालिकाओं के लाभ के लिए महत्वपूर्ण एवं विशेष लाभकारी योजनाओं की श्रंखला जारी करने की घोषणा की है।

एसआरएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ० अनिल जिंदल के अनुसार एसआरएस ग्रुप का मानना है कि बालिका सशक्तिकरण के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण हथियार है और हमें इस बात की खुशी है कि विश्वस्तरीय एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-88 ग्रेटर फरीदाबाद इस प्रसन्नता को बरकरार रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायगा।

एसआरएस इंटरनेशल स्कूल एक आधुनिक सुविधायुक्त स्कूल है जो ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-88 में स्थित है। इस स्कूल का लक्ष्य अपने विद्यार्थियों को नवीनतम शिक्षा और अध्यापन की सुविधा प्रदान करना है वह भी बेहतरीन ढांचागत सुविधाओं के साथ।

इसके साथ ही डॉ० जिंदल ने कहा कि इस कदम की विशेषता है कि एसआरएस इंटरनेशनल स्कूल में अध्ययनरत् छात्राओं को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएं। ऐसे अभिभावक जिनके पास धन का अभाव है और वे इस कारण अपनी बच्चियों को पढ़ा नहीं सकते, उनके लिए एसआरएस ग्रुप ने एसआरएस वेलफेयर एसोसिएशन के माध्यम से कई योजनाएं शुरू की है।

'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं' अभियान के अंतर्गत एसआरएस स्कूल में बालिकाओं के लिए जिन महत्वपूर्ण मापदंडों की घोषणा की गई है वह निम्न हैं- 1. इस योजना के अंतर्गत प्रवेश पाने वाली पहली 50 बालिकाओं के लिए तीन वर्ष के लिए प्रवेश शुल्क और शिक्षण शुल्क में क्रमशः 50 प्रतिशत की छूट।

2. प्रवेश लेने वाली अगली 50 छात्राओं के लिए इस योजना के अंतर्गत प्रवेश शुल्क और शिक्षण शुल्क में तीन वर्ष के लिए 25 प्रतिशत की छूट।

3. प्रत्येक छात्राओं ( 100 से अधिक ) को प्रवेश शुल्क में 25 प्रतिशत और शिक्षण शुल्क में 10 प्रतिशत की छूट इस विद्यालय में अंतिम कक्षा तक अध्ययन करने तक।

तीन वर्ष पूरे होने के बाद प्रत्येक छात्रा का शिक्षण शुल्क इस योजना के तहत 10 प्रतिशत शुल्क एसआरएस लिमिटेड अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के तहत वहन करेगा।

( इस अभियान के तहत विभिन्न मापदंड का एसआरएस सोशल वेलफेयर एसोसिएशन वहन करेगा और इन्हें एसआरएस ग्रुप के सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत संचालित किया जाएगा )

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने नरेन्द्र मोदी के इस अभियान को सफल बनाने का दायित्व लिया है। डॉ० जिंदल ने कहा कि अब एसआरएस ग्रुप इस अभियान में हाथ बंटा कर प्रधानमंत्री के इस सपने को साकार कर रहा है।

# शिक्षा जगत में एक जाना-पहचाना नाम है सतीश फौगाट

## ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े रहे सतीश फौगाट ने कम समय में छूआ है नई-नई ऊचाईयों को

सोनिया शर्मा

साईबर सिटी के नाम से जाने जाने वाले गुड़गांव जिले के गांव घैंघोला में चौ० नत्थी सिंह के परिवार में 22 नवम्बर,1974 को जन्में सतीश फौगाट ने जिस प्रकार से छोटे से समय में नई-नई ऊचांईयों को छूआ है, वह किसी से छिपा नहीं हैं। शिक्षा जगत के क्षेत्र में सतीश फौगाट ने जिस प्रकार से अपने शिक्षण संस्थान के छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेलों के क्षेत्र में भी नई-नई उपलब्धि हासिल करवाई हैं, उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं।

यदि सतीश फौगाट के अतीत में झांका जाए तो पता चलता है कि एक साधारण परिवार में जन्में सतीश फौगाट ने अपनी आरंभिक शिक्षा गांव के ही सरकारी स्कूल से प्राप्त की। 10वीं कक्षा तक सरकारी स्कूल में पढ़ने के बाद सतीश फौगाट ने सैकेंडरी और स्नातक की शिक्षा पाने के लिए औद्योगिक शहर फरीदाबाद की ओर कदम बढ़ाए। श्री फौगाट ने पाली स्थित डीएड कालेज से डीएड की तथा डा० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा से अंग्रेजी व दर्शनशास्त्र में परास्नातक की डिग्री लेने के बाद महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से ऑनर्स इन हिंदी व बीएड कर अपनी पढ़ाई पूरी की। ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े रहे सतीश फौगाट ने इसके बाद शिक्षण क्षेत्र में कदम रखते हुए हरियाणा व दिल्ली सरकार में बतौर प्राथमिक अध्यापक अपने शिक्षण कार्य की शुरूआत की। इसी क्रम में सतीश फौगाट ने सन् 2001 में समयपुर रोड़ स्थित

राजीव कॉलोनी में फौगाट पब्लिक स्कूल के नाम से अपने पहले विद्यालय की स्थापना की। इस क्षेत्र में सतीश फौगाट की धर्मपत्नी निकेता सिंह ने भी उनका पूरा-पूरा साथ दिया। परिणामस्वरूप दोनों पति-पत्नी की मेहनत रंग लाई और फौगाट स्कूल का नाम शिक्षा जगत के क्षेत्र में चमकने लगा।

इसके बाद इन दोनों ने सन् 2010 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से संबंधित दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के तहत महिला महा-विद्यालय की शुरूआत की तथा सन् 2012 में पलवल जिले के अंतर्गत ऐतिहासिक शहर होडल उपमंडल के गांव भिडूकी के समीप करीब 3 एकड़ भूमि पर फौगाट पब्लिक स्कूल के नाम से ही अपने शिक्षण संस्थान की एक दूसरी ब्रांच की नींव भी रख दी।

ज्यादा से ज्यादा बच्चों के माध्यम से अनेकों परिवारों से जुड़ शिक्षा प्रसार के इस पुनीत कार्य के साथ-साथ उन्होंने अपने संस्थान की एक गौरवमयी पहचान बनाई। अपने लक्ष्य की ओर लगातार अग्रसर सतीश फौगाट ने पूरी आत्मीयता और ईमानदारी से शिक्षा के पेशे की गरिमा को बनाए रखा व समाज के हर वर्ग तक शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया।

हर घर में शिक्षा पहुंचे इस बात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने वाजिब फीस के साथ बच्चों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान किए, जिसका समाज के लोगों ने भरपूर समर्थन भी किया।

यही कारण है कि आज फौगाट पब्लिक स्कूल शिक्षा जगत के क्षेत्र में एक सम्मानित शिक्षण संस्थान है। इस शिक्षण संस्थान को आगे बढ़ाने में सतीश फौगाट के पिता जी और संस्थान के चेयरमैन चौ० रणवीर सिंह फौगाट का भी पूरा आशीर्वाद और भरपूर समर्थन रहा है। उन्होंने हमेशा उनकी हौंसला-अफजाही की।

संघर्ष की इस राह में उनकी धर्मपत्नी व स्कूल की प्रधानाचार्या निकेता सिंह ने भी मुश्किल की घड़ी में उन्हें निराश नहीं होने दिया। जीवन की राह में जो कष्ट और कठिनाई सतीश फौगाट के सामने आई उसमें निकेता सिंह का भरपूर प्यार और सहयोग उन्हें मिला। निकेता सिंह के रूप में यही वो ताकत थी जिसके बल पर उन्होंने बड़ी से बड़ी चुनौती को स्वीकार किया और सफलता भी हासिल की। उनकी ईमानदारी, जिंदा-दिली और सच्ची भावना ने उन्हें समाज में हर वो सम्मान दिलाया जिसकी हर किसी को चाह रहती है।

अपने पैतृक गांव में सबसे वयोवृद्ध रहे 100 वर्षीय उनके दादा जी चौ० नत्थी सिंह जी के आशीर्वाद और स्नेह से लड़खड़ाते हाथ जब उनके सिर को छूते थे तो उनमें असीम ऊर्जा और संघर्ष करने की क्षमता चौगुनी हो जाती थी।

सभी प्रदेशवासियों को
इनेलो पार्टी
जिंदाबाद!
होली की
हार्दिक शुभकामनाएं
विकास चौधरी
पूर्व जिलाध्यक्ष, युवा इनेलो

होली
की
हार्दिक शुभकामनाएं
कृष्णपाल गुर्जर
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार
सीमा त्रिखा विधायक
बड़खल विधानसभा क्षेत्र

होली
की
की हार्दिक शुभकामनाएं
Courtesy :
SUMIT GAUR
Former Distt. President Youth Congress
& Ex. Member Grievance Committee

A 4 Star Property with 5 Star Services
Delite Grand
Hotel
You've Found
The Perfect Partner,
NOW YOU NEED
THE PERFECT PLACE.
Opening Shortly
Banqueting ranging 25 pax to 1200 pax | 6 Banqueting Venus
Suites & Rooms | Bar | Fine Dining Restaurant
Pastry Shop | 24 hours In-Room Dining
A-5/B, Neelam Bata Road, NIT Fbd.
Tel. : +91 129 435 5555 / +91 9810914741

वैश्य समन्वय समिति
की ओर से होली हार्दिक शुभकामनाएं
नरेन्द्र गुप्ता
एस.के. जैन
डॉ. एस.के. गोयल
अनिल गोयल
विनय गुप्ता
राकेश गुप्ता
जे.पी. गुप्ता
संयोजक, वैश्य समन्वय समिति
डॉ. राकेश गुप्ता
डॉ. अनिल जिंदल
डॉ. एस.एस. बंसल
विजय जिंदल
प्रवीण मंगला
राजकुमार अग्रवाल
संदीप गोयल
गौतम चौधरी
देवेन्द्र गोयल
पंकज गर्ग
नरेन्द्र अग्रवाल
महावीर गोयल
सुभाष गुप्ता
आर.सी. खंडेलवाल
मनोज टांटिया
पी.के. मित्तल
विनोद गर्ग
अरुण सर्राफ
पवन गुप्ता
बिजेन्द्र बंसल
जितेन्द्र मंगला
सुदेश गुप्ता
अनिल चांदीवाले
के.के. मित्तल
एम.पी. रूंगटा
एन.के. गर्ग
अरुण गुप्ता
आनंद जैन
आर.के. गोयल
रमेश झंवर
रामलाल बरार
दिव्य गुप्ता
पूरणचंद मित्तल
ईश्वर दयाल
अमित मित्तल
नितिन सिंगला
नवीन अग्रवाल
रामकिशोर अग्रवाल
सोनू गुप्ता
वेदप्रकाश बंसल
गोपाल गर्ग
अमर बंसल

# पहले गुरू द्रोण और अब प्रजापति दक्ष के रूप में विश्व-विख्यात होते जा रहे हैं सुरेन्द्रपाल

## बॉलीवुड में अमिताभ बच्चन और विनोद खन्ना के रूप में देखे जाते हैं

नवीन गुप्ता

फरीदाबाद: बॉलीवुड के महानायक यानि अमिताभ बच्चन की भारी-भरकम आवाज़ और मशहूर फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना के व्यक्तित्व/कद-काठी को यदि जोड़कर देखा जाए तो फिल्म इंडस्ट्री में एक ही चेहरा नजर आता है और वो चेहरा है सुरेन्द्रपाल का। वो बात अलग है कि एक भारी-भरकम आवाज़ और मजबूत कद-काठी वाला यह व्यक्ति जैसे ही फिल्म 'मासूम' को देखता है वैसे ही उनकी आंखों से आंसू निकलने लगते है और वह रोने लगता है। यह हम नहीं कह रहे है बल्कि यह खुलासा स्वयं सुरेन्द्रपाल नाम की इस शख्सियत ने 'मैट्रो प्लस' से एक खास मुलाकात में किया।

सुरेन्द्रपाल यहां फरीदाबाद शहर के प्रमुख युवा समाजसेवी एवं बिल्डर गोपाल कुकरेजा के निवास पर डिनर पर आए हुए थे। इस अवसर पर श्री कुकरेजा के परम मित्र एवं उनके पार्टनर अनुज ढंग, 'प्रयास' नामक सामाजिक संस्था के प्रधान जगत मदान भी विशेष तौर पर मौजूद थे।

पांडवों के गुरू द्रोणाचार्य को आज कौन नहीं जानता-पहचानता। बहुचर्चित धार्मिक सीरियल 'महाभारत' में गुरू द्रोणाचार्य की भूमिका निभाकर इंडियन फिल्म और टीवी एक्टर के रूप में सन् 1983 से अपने करियर की शुरूआत करने वाले सुरेंद्रपाल का चेहरा आज किसी पहचान का मोहताज नहीं है।

लखनऊ की सर-जमीं पर 25 सितम्बर,1953 को जन्में लंबी कद-काठी वाले सुरेन्द्रपाल ने पहले तो सन् 1988 में बहुचर्चित धार्मिक सीरियल 'महाभारत' में पांडवों के गुरू द्रोणाचार्य का किरदार निभाकर और अब 'देवों का देव महादेव' नामक चर्चित सीरियल में पार्वती के पिता ब्रह्मपुत्र प्रजापति दक्ष का बेहतरीन रोल निभाकर आज देश-विदेश में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी हुई है।

हाल-फिलहाल सुरेन्द्रपाल 'देवों का देव महादेव' के अलावा महाराणा प्रताप में राजा मालदेव सिंह तथा भंवर में एक नामी-गिरामी वकील की भूमिका निभा रहे हैं। शायद यही कारण है कि सन् 1983 में कॉमेडी किंग कादर खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'शमां' में शबाना आजमी के साथ हीरो की भूमिका निभाकर फिल्म जगत में तथा सन् 1988 में टीवी सीरियलों के द्वारा पर्दापण करने वाले सुरेन्द्रपाल आज मॉल, एयरपोर्ट या किसी सार्वजनिक स्थान पर जहां भी जाते है तो वहां लोगों का हुजूम उन्हें देखते ही उनके पैर छूने को दौड़ पड़ता है।

'देवों का देव महादेव' तो वह सीरियल है जोकि तमिल, तेलेगु, कन्नड़, भोजपुरी आदि हिन्दुस्तान की सभी भाषाओं में डब होकर पूरे देशभर के अन्दर देखा जा रहा हैं। सन् 1983 से फिल्म जगत में कदम रख बात-बात में फिल्मी डॉयलाग बोलने के आदी हो चुके सुरेंद्रपाल अब तक करीब 3 दर्जन फिल्मों तथा करीब 2 दर्जन नामी-गिरामी सीरियलों में काम कर चुके हैं।

पिछले 25 सालों से अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाते आ रहे लोहे की कद-काठी वाले सुरेंद्रपाल का दिल उनके व्यक्तित्व से एकदम उलट मासूम बच्चों के कोमल दिल के तरह है जोकि मासूम फिल्म को देखकर ही रोने लगते हैं। सन् 1988 में महाभारत से छोटे पर्दे से अपने करियर की शुरूआत करने वाला सुरेन्द्रपाल आज फिल्म इंडस्ट्री में एक चमकते हुए सितारे बन चुके है।

फिल्म इंडस्ट्री के अन्दर किसी कलाकार को मिलने वाला ऐसा कोई अवार्ड नहीं है जोकि सुरेन्द्रपाल की झोली में आकर न गिरा हो, चाहे वह हीरो-होंडा का हो या फिर स्टार प्लस व जी- सिनेमा का। सारे के सारे अवार्ड्स से सुरेन्द्रपाल को नवाजा जा चुका है। बकौल सुरेन्द्रपाल उनकी रियल लाईफ में जो भी घटनाएं घटी हैं वह फिल्मी पर्दे की वजह से ही घटी हैं।

वहीं दूसरी तरफ यदि हम सुरेंद्रपाल की बात करें तो उनकी अब तक उन्होंने जो भी फिल्में देखी हैं उनमें उनकी पसंदीदा फिल्म 'मदर इंडिया' है। बातों-बातों में सुरेंद्रपाल ने अपनी पसंदीदा फिल्मों के बारे में जिक्र करते हुए बताते हैं कि 'मासूम' एक ऐसी फिल्म है जिसको वो आज भी देखते हैं और उस फिल्म को देखते ही उन्हें रोना आ जाता है।

सुरेंद्रपाल ने सन् 1983 से 2014 जिन फिल्मों में काम किया है उनमें अमिताभ बच्चन व बॉबी देओल वाली फिल्म 'खुदा गवाह' के अलावा तुम्हारे हवाले वतन साथियों, जोधा-अकबर, तेरी मेरी कहानी विशेष तौर पर शामिल है। इनमें से जोधा-अकबर में तो सुरेन्द्रपाल ने चितौड़गढ़ के राजा उदय सिंह तथा प्रियंका चोपड़ा और शाहिद कपूर की फिल्म 'तेरे मेरी कहानी' में सुरेन्द्रपाल ने प्रियंका चोपड़ा के पिता की भूमिका निभाई थी।

इसके अलावा सुरेन्द्रपाल ने जिन फिल्मों में काम किया उनमें गृहस्थी, मंजिल-मंजिल, पापी संसार, मां कसम, एक नया रिश्ता, आखिरी निश्चय, विष कन्या, खुदा गवाह, प्लेटफॉर्म, वीरगति, पांडव, रिटर्न ऑफ ज्वैल थीफ, जज-मुजरिम, हफ्ता-वसूली, महारानी, धूंधः द फॉग, बर्दाश्त, लक्ष्य, असीमा, असल तथा गुर्जर आन्दोलन आदि प्रमुख हैं। यहीं नहीं सुरेन्द्रपाल ने फिल्म अभिनेता सन्नी देओल के साथ 'जो बोले सो-निहाल' तथा तथा 'इंडियन' फिल्म में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं।

और यदि हम बात करें टीवी सीरियल की तो सुरेन्द्रपाल ने सन् 1988 से अब तक जिन टीवी सीरियलों में काम किया है उनमें महाभारत, चाणक्य, शक्तिमान, चंद्रकांता, जी हारॅर शौ, विष्णु पुराण तथा शगुन के अलावा अमानत, सीआईडी, उर्मिला कुंति, मर्यादा, कुमकुम, लेफ्ट राईट लेफ्ट, संतान, वो रहने वाली महलों की, बाबूल का आंगन छूटे ना, रामायण, छोटी बहू, लव यू जिंदगी, दीया और बाती हम, महाराणा प्रताप, देवों का देव महादेव आदि प्रमुख हैं।

यहीं नहीं, सुरेंद्रपाल अब प्रोड्यूसर के रूप में भी जाने-पहचाने लगे हैं। सन् 2007 में एक प्रोडक्शन कंपनी बनाकर उन्होंने भोजपुरी फिल्मों के क्षेत्र में कदम रखते हुए 'ऐसे प्यार से देखबू ते प्यार हो जाए' नामक भोजपुरी फिल्म भी बनाई है। सुरेन्द्रपाल करीब 15 भोजपुरी फिल्मों में भी काम कर रहे हैं।

# विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया होली का पर्व

सोनिया शर्मा

बल्लभगढ़: विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में होली का पर्व बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में बरसाने की फूलों वाली होली, कृष्ण जी का पिचकारी से गोपीयों पर रंग डालना तथा राधा जी के साथ फूलों की होली खेलना, होली के गानों पर बच्चों का नृत्य जैसे कार्यक्रम और नृत्य नाटिका अभिभावकों के सामने प्रस्तुत किए गए और बच्चों ने नृत्य नाटिका द्वारा होली पर प्राकृतिक रंगों के प्रयोग

तथा पानी की बचत का संदेश दिया।

इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन दीपक यादव ने कहा कि होली न सिर्फ सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देती है बल्कि लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाती है और उनके अंदर देश की प्राचीन सभ्यता से जुड़े बुनियादी व नैतिक आदर्श भी लाती है।

स्कूल की मुख्याध्यापिका ज्योति चौधरी ने कहा कि होली का त्यौहार आपसी भाईचारे का प्रतीक है और हमें कैमिकल के रंगों से होली नही खेलनी चाहिए। हमें केवल प्राकृतिक के रंगों की होली खेलनी चाहिए। और उन्होंने बच्चों को होली में सावधानी बरतने का संदेश दिया।

कार्यालय

मैट्रो प्लस

Corp.Office
Mr. Naveen Gupta, 5D/96A, NIT Faridabad
TeleFax : (0129)-4040707, 98111-65707
E_mail:- metroplus707@gmail.com
metroplus7070@gmail.com

Faridabad Office
Mr. Mahesh Gupta, 4-5, SCO - 41,
Near Axis Bank Ltd,
Sector-7 Market, Faridabad
metroplus707070@gmail.com
M.: +91-9891137700

Ballabgarh Office
Mr. Sanjay Mendiratta, B-60, Rishi Nagar,
Chawla Colony, Ballabgarh
M.: +91-9250739069

Delhi Office
Ms. Priya, B Block, Gulmohar Park,
Journalist Colony, New Delhi.
M.: +91-9136141517

Chandigarh Office
Mr. Naveen Gupta / Mr. Ashok Sharma
# SCO-90-92, 1st Floor, Sector-8C, Madhya
Marg, Chandigarh (UT) M.:+91-98111-65707,
naveengupta707@gmail.com

समाचार
- विचार -
विज्ञापन
98111-65707

# मानव सेवा समिति ने धूमधाम से मनाया होली मिलन समारोह

नवीन गुप्ता

फरीदाबाद: मानव सेवा समिति द्वारा द्वारा होली मिलन समारोह आनन्द उत्सव के रूप में डीएलएफ सैक्टर-10 स्थित तेरापंथ भवन में मनाया गया। इस आनंद उत्सव में मानव परिवार के सभी सदस्यों ने एक दूसरे को चंदन टीका लगाकर व सम्मान पगड़ी पहनाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर गोल्डन गैलेक्सी होटल व रिसोर्ट के चेयरमैन देवेन्द्र गोयल व समारोह अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल एमडी शिवालिक पैंटस् ने दीप प्रज्वलित करके किया। समारोह में प्रमुख समाजसेवी चौ० प्रेमपाल सिंह, शिक्षाविद् पवन अग्रवाल, मधुसूदन लढ़ा सीए व सुभाष गुप्ता सीए चेयरमैन फरीदाबाद ब्रांच एनआईआरसी आफआईसीएआई ने विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया।

समिति के अध्यक्ष पवन गुप्ता, चेयरमैन अरूण बजाज, महासचिव कैलाश शर्मा, चेयरमैन प्रोजेक्ट गौतम चौधरी, उषाकिरण शर्मा चेयरमैन महिला सैल, संयोजक मंडल के बीआर सिंगला, प्रदीप टिबरीवाल, सुधीर चौधरी, संदीप मित्तल, महेश अग्रवाल, अमर खान, सुनीता बंसल ने सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह, सम्मान पट्टिका देकर अभिनंदन किया।

इस अवसर पर स्वर साधना मंदिर की निदेशक अंजु मुंजाल व संस्कृति संगम मंदिर की नृत्य शिक्षिका पुष्पा रानी के नेतृत्व मे कलाकारों ने गीत, संगीत व नृत्य पर उम्दा प्रस्तुति देकर समारोह में खूब धमाल मचाया। कलाकारों द्वारा गाये गये बृज के रसिया गीतों पर मानव परिवार के सभी महिला, पुरूष सदस्यों व बच्चों ने जमकर नृत्य किया। समारोह का विशेष आकर्षण बांके बिहारी व राधा कृष्ण की मनोहर झांकी व मयूर नृत्य रहा। समारोह समापन के बाद सभी सदस्यों ने लजीज व्यंजनों का आनन्द लिया।

# बीके हाई स्कूल में धूमधाम से आयोजित की गई फेयरवैल पार्टी

सोनिया शर्मा

फरीदाबाद: नंगला रोड़ स्थित बीके हाई स्कूल में 10वीं कक्षा के छात्रों की फेयरवेल की गई। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों को तिलक लगाकर की गई। स्कूल अध्यापकों व जूनियर छात्रों ने 10वीं कक्षा के छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनके स्वर्णिम करियर की दुआ मांगी। स्कूल में बच्चों के मनोरंजन के लिए अलग-अलग खेलों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में नार्थलेंड इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसीपल विकास शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। इस अवसर पर 9वीं कक्षा के छात्रों ने

जहां 10वीं कक्षा के छात्रों को टाईटल दिए वहीं बच्चों ने भी सभी अध्यापकों को टाईटल दिए। बच्चों ने म्युजिकल चेयर व नाच-गाने के साथ इस कार्यक्रम का आनंद उठाया।

इसी बीच स्कूल के एमडी भूपेन्द्र श्योराण ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भारी दिल से उन्हें विदाई दी।

# पेड़ की महिमा

महेंद्र शर्मा 'मधुकर'
मो०-9868938188

ऐ पेड़ अजब तेरी दास्तां है.....
इस जग में तेरी बड़ी शान है।
भलाई में दुसरों की बिताता अपने जीवन को.....
मार मेले मौसमों की, अजब तेरा बख़ान है।
शुद्व रखना वातावरण को है कार्य तेरा फिर भी
अपने स्वार्थ के लिये, तुम्हें काट रहा इंसान है।
फल तेरा देता स्वस्थ जीवन का सन्देश
सुख कर भी काम आता, तू कितना महान है
ऐ पेड़ अजब तेरी दास्तां है.....
रोग मुक्ति के लिये, आता काम दवाई में।
ठीक होकर भी आदमी, भुल जाता तेरा अहसान है
भोजन बनाने के लिये आती कार्य में लकड़ी तेरी
काम आता सभी के, क्या इसका तुझे ज्ञान है।
ऐ पेड़ अजब तेरी दास्तान है.....
फूल और पत्ते तेरे मन्दिर मे चढ़ाये जाते है।
क्योंकि इससे, खुश होता भगवान है।
अंग-अंग तेरा काम आता है सभी के।
प्रशंसा में तेरी, गीत लिखता हर विद्वान है।
'मधुकर' ध्यान रखना पेड़ का है कर्तव्य हमारा
मौसम परिवर्तन में भी इसका बड़ा योगदान है
ऐ पेड़ अजब तेरी दास्तां है.....

CCTV CAMERAS
•CCTV,DVR
•IP Camera,
•Access Control System,
•Fire Detection System,
•video Door Phone
•Remote Surveillance
Advanced Vision Technologies
16/6, IInd floor, Suneja Bhawan, Main Mathura Road,
Near Metro Pillar No. 6-22, Old FBD
M.: 9711184354, 9350714354
visit : www.advancedvision.co.in, e-mail : avtsb@rediffmail.com

# रोटरी परिवार ने लिया पिकनिक का आनंद

नवीन गुप्ता

फरीदाबाद: रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद इंडस्ट्रियल टाउन के सदस्यों के लिए इस बार रविवार का दिन काफी खुशनुमा रहा। क्लब के सदस्यों ने अपने-अपने परिवार के साथ सोनीपत स्थित 'चोखी धानि' में जाकर जमकर आनन्द लिया। चोखी धानि में बस से उतरकर जैसे ही सभी रोटेरियन परिवार मेन गेट पर पहुंचे वहां गेट पर राजस्थानी ड्रेस में खड़े युवकों ने राजस्थानी गीत गाकर व सभी को तिलक लगाकर उनका स्वागत किया।

पिकनिक मनाने गए क्लब के सदस्यों में एसपी सिंह, महेंद्र सर्राफ, नवीन गुप्ता, सुभाष जैन, आरजी अग्रवाल, अनिल गुप्ता, पीएल गोयल, विनय बंसल, विरेन्द्र गोयल, अजय गुप्ता, सुनीता सिंह, मंजू सर्राफ, ऋचा गुप्ता, मंजु बंसल, संगीता गुप्ता, तरूणा अग्रवाल, साधना गुप्ता, सरोज जैन, भारती गोयल तथा रजनी गोयल शामिल थे। इन लोगों ने नाच-गाकर पिकनिक का पूरा लुफ्त उठाया।

# CROWN BUSINESS PARK

Wishes you a very

Happy Holi

CROWN GROUP

## CROWN REALTECH PVT. LTD.

B-1/D1, Mohan Co-operative Industrial, Estate, New Delhi-44, Tel. : 011-40544700

Email : crownbusinesspark@hotmail.com


स्वामित्वकारी, प्रकाशक व मुद्रक रिचा गुप्ता द्वारा ज्योति प्रिंटर्स, प्लाट न०-ई-94, सैक्टर-6, नोएडा, गौतमबुध नगर, यूपी से मुद्रित एवं कार्यालय 5डी/96 ए, मैन मार्किट, एनआईटी फरीदाबाद से प्रकाशित।
संपादकः महेश गुप्ता। (सभी कानूनी विवादों का क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।)